अध्याय 2

दो ध्रुवीयता का अंत
[THE END OF BIPOLARITY]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है— **(NCERT)**

(a) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी
(b) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियंत्रण होना
(c) जनता को आर्थिक आजादी थी
(d) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था।

Scanned with CamScanner

उत्तर—शॉक थेरेपी के परिणाम निम्नलिखित हैं—

(1) असमानता में वृद्धि। (2) रूसी मुद्रा (रूबल) में गिरावट। (3) असंतोष की भावना का विकास।

प्रश्न 16. सोवियत संघ के विघटन से विश्व की राजनीति किस प्रकार की हो गई ?

उत्तर—सोवियत संघ के विघटन से विश्व की राजनीति एक ध्रुवीय हो गई।

प्रश्न 17. लेनिन कौन था ?

उत्तर—लेनिन बोल्शेविक कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक थे।

प्रश्न 18. बर्लिन (जर्मनी) की दीवार किसका प्रतीक था ?

उत्तर—बर्लिन (जर्मनी) की दीवार पूँजीवादी दुनिया और साम्यवादी दुनिया के बीच विभाजन का प्रतीक था

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—सोवियत प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—(1) सोवियत प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी। इस दल का सभी संस्थाओं पर गहरा नियंत्रण था। (2) सोवियत प्रणाली में सम्पत्ति पर राज्य का नियंत्रण एवं स्वामित्व था। (3) सोवियत संघ के पास विशाल ऊर्जा संसाधन थे, जिसमें खनिज तेल, लोहा, उर्वरक, इस्पात व मशीनरी आदि शामिल थे। (4) सोवियत संघ का घरेलू उपभोक्ता उद्योग भी बहुत उन्नत था। (5) सोवियत संघ में बेरोजगारी नहीं थी।

प्रश्न 2. भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के क्या परिणाम हुए ? (NCERT)

उत्तर—विघटन के परिणाम—(1) भारत शीतयुद्ध को रोकने की चाह करने वाले राष्ट्रों में अग्रणी राष्ट्र था। उसे महसूस हुआ कि अब विश्व में शीतयुद्ध का दौर और अन्तर्राष्ट्रीय तनावपूर्ण वातावरण एवं संघर्ष की समाप्ति हो जाएगी। भारत ने महसूस किया कि अब सैन्य गुटों के गठन की प्रक्रिया रुकेगी तथा हथियारों की तेज दौड़ भी थमेगी। भारत में सरकार तथा जनता को एक नई अंतर्राष्ट्रीय शांति की संभावना दिखाई देने लगी।

(2) सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् भारत ने विश्व की एकमात्र महाशक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मजबूत सम्बन्ध बनाने की ओर रुख किया।

Scanned with CamScanner

(3) भारत रूस के लिए हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार देश है। रूस भारत की परमाण्विक योजना के लिए महत्वपूर्ण है। भारत और रूस विभिन्न वैज्ञानिक परियोजनाओं में साझेदार हैं।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् भारत ने अपनी विदेश नीति में थोड़ा-सा परिवर्तन करके भारत के हितों की पूर्ति एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को और अधिक सुधारा।

प्रश्न 3. शॉक थेरेपी क्या थी ? क्या साम्यवाद से पूँजीवाद की तरफ संक्रमण का यह सबसे बेहतर तरीका था ? (NCERT)

उत्तर—शॉक थेरेपी का अर्थ—साम्यवाद के पतन के पश्चात् पूर्व सोवियत संघ के गणराज्य एक सत्तावादी समाजवादी व्यवस्था से लोकतांत्रिक पूँजीवादी व्यवस्था तक के कष्टप्रद संक्रमण से होकर गुजरे। रूस, मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों में पूँजीवाद की ओर से संक्रमण का एक खास मॉडल अपनाया गया। विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस मॉडल को 'शॉक थेरेपी' अर्थात् आघात पहुँचाकर उपचार करना कहा जाता है।

परन्तु साम्यवाद से पूँजीवाद की तरफ संक्रमण के शॉक थेरेपी के तरीकों को सबसे अच्छा तरीका नहीं कहा जा सकता क्योंकि एकदम से सभी प्रकार के पूँजीवादी सुधारों को लागू करने से सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तहस-नहस हो गयी।

सबसे बेहतर उपाय यह होता कि पूँजीवादी सुधार तुरन्त किये जाने की अपेक्षा धीरे-धीरे किए जाने चाहिए थे। एकदम समस्त प्रकार के परिवर्तनों को लादने में सोवियत संघ पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। अतः ऐसे परिवर्तनों को जनता पर थोपकर उन्हें आघात देना उचित नहीं था।

प्रश्न 4. किन बातों के कारण गोर्बाचेव सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए ? (NCERT)

उत्तर—गोर्बाचेव निम्नलिखित कारणों से सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए—

(1) सोवियत संघ में धीरे-धीरे नौकरशाही का प्रभाव बढ़ता चला गया तथा सम्पूर्ण व्यवस्था नौकरशाही के शिकंजे में फँसती चली गयी। (2) सोवियत प्रणाली के सत्तावादी हो जाने के कारण लोगों का जीवन कठिन होता चला गया। (3) सोवियत संघ में लोकतन्त्र एवं विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं पायी जाती थी, जिसमें सुधार की अति आवश्यकता थी। (4) सोवियत संघ की अधिकांश संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता थी। (5) सोवियत संघ में एक दल साम्यवादी दल का शासन था। इस दल का सभी संस्थाओं पर अंकुश था। यह दल जनता के प्रति जवाबदेह नहीं था। (6) यद्यपि सोवियत संघ में लोगों का पारिश्रमिक लगातार बढ़ा, लेकिन उत्पादकता व प्रौद्योगिकी के मामले में वह पश्चिम के देशों से बहुत पीछे रह गया जिससे उपभोक्ता वस्तुओं की कमी हो गयी और खाद्यान्नों का आयात बढ़ता चला गया।

प्रश्न 5. शॉक थेरेपी के परिणाम को लिखिए।

उत्तर—शॉक थेरेपी के परिणाम को निम्न बिन्दुओं में स्पष्ट कर सकते हैं—

1. असमानता में वृद्धि—निजीकरण के कारण पूर्व सोवियत संघ के गणराज्यों के अमीर व गरीब लोगों के बीच असमानता अधिक बढ़ गई थी। पुराना व्यापारिक ढाँचा तो नष्ट हो गया था लेकिन उनके स्थान पर कोई वैकल्पिक ढाँचा नहीं दिया गया। शॉक थेरेपी से भूतपूर्व सोवियत संघ के खेमे के देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई और लोगों को बेहतर जीवन की अपेक्षा बर्बादी का सामना करना पड़ा।

2. आर्थिक परिवर्तन पर अधिक ध्यान—आर्थिक परिवर्तन पर ही अधिक ध्यान दिया गया जबकि लोकतांत्रिक संस्थाओं का सही निर्माण नहीं हो सका। कहीं संसद शक्तिहीन रही तो कहीं राष्ट्रपति बहुत अधिक सत्तावादी हो गये। इन देशों में संविधान निर्माण भी सही तरह से न हो सका।

3. गरीबी का प्रसार—शॉक थेरेपी के परिणामस्वरूप सोवियत संघ में गरीबी का प्रसार होने लगा। पहले लोगों को रियायती दरों पर वस्तुएँ उपलब्ध होती थीं। अब वस्तुओं की कीमत बाजार के आकार पर निश्चित होती थी, जो पहले से अधिक थी।

Scanned with CamScanner

अध्याय 4

सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

[ALTERNATIVE CENTRES OF POWER]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **'ASEAN way' या 'आसियान शैली' क्या है—** (NCERT)
   (a) आसियान के सदस्य देशों की जीवन शैली है
   (b) आसियान सदस्यों के अनौपचारिक और सहयोग पूर्ण कामकाज की शैली को कहा जाता है
   (c) आसियान सदस्यों की रक्षा नीति है
   (d) सभी आसियान सदस्य देशों को जोड़ने वाली सड़क है।
2. **इनमें से किस देश ने "खुले द्वार" की नीति अपनाई—** (NCERT)
   (a) चीन (b) यूरोपीय संघ (c) जापान (d) अमेरिका।
3. **यूरोपीय आर्थिक समुदाय की प्रारंभिक सदस्य संख्या थी—**
   (a) छः (b) दस (c) पन्द्रह (d) बीस।
4. **प्रथम भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन हुआ था—**
   (a) वियना (b) पेरिस (c) लिस्बन (d) रोम।
5. **यूरोपीय संघ के संसद में सदस्यों की संख्या है—**
   (a) 550 (b) 410 (c) 626 (d) 751.*
6. **यूरोपीय आर्थिक समुदाय का प्रमुख लक्ष्य—**
   (a) यूरोप को आर्थिक शक्ति बनाना (b) यूरोप को मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना
   (c) यूरोप में साझा बाजार स्थापित करना (d) यूरोपीय संघ की स्थापना करना।

उत्तर—1. (b), 2. (a), 3. (a), 4. (c), 5. (d), 6. (d).
*नोट—यूरोपीय संसद में पहले 766 सदस्य होते थे।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. यूरोपीय आर्थिक समुदाय या यूरोपीय संघ का गठन कब हुआ ?

उत्तर—यूरोपीय आर्थिक समुदाय या यूरोपीय संघ का गठन 1 जनवरी, 1958 को हुआ।

प्रश्न 2. सीटो का पूरा नाम लिखिए। इसकी स्थापना कब हुई ?

उत्तर—सीटो का पूरा नाम दक्षिण-पूर्व एशियाई संधि संगठन है। इसकी स्थापना सन् 1954 में हुई।

प्रश्न 3. भारत आसियान समझौता कब और कहाँ हुआ ?

उत्तर—भारत आसियान समझौता 30 नवंबर, 2004 को वियतनाम के लाओस शहर में हुआ।

प्रश्न 4. भारत-चीन के बीच वर्तमान विवाद के कोई दो मुद्दे लिखिए।

उत्तर—भारत-चीन के बीच वर्तमान विवाद के मुद्दे निम्नलिखित हैं—(1) ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने की तैयारी। (2) पाकिस्तान को परमाणु हथियार बनाने में सहायता करना।

प्रश्न 5. आसियान संगठन बनाने के उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—आसियान संगठन बनाने के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—(1) सदस्य राष्ट्रों में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में परस्पर सहायता करना। (2) दक्षिण-पूर्व एशिया में आर्थिक स्थायित्व के लिए प्रयास करना। (3) सामाजिक सहयोग से विभिन्न समस्याओं का शांतिपूर्ण हल निकालना।

प्रश्न 6. यूरोपीय आर्थिक समुदाय के दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—यूरोपीय आर्थिक समुदाय के दो उद्देश्य निम्नलिखित हैं—(1) उन सभी विवादों को समाप्त करना जिन्होंने यूरोप को विभाजित कर रखा है। (2) यूरोपीय प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिए अनुकूल भूमिका निभाना।

प्रश्न 7. मेस्ट्रिज संधि की दो उपलब्धियाँ बताइये।

उत्तर—मेस्ट्रिज संधि की दो उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं—(1) यूरोपीय संघ के सभी देशों के मध्य समान मुद्रा (करेन्सी) का चलन स्वीकार किया गया। (2) यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की स्थापना (1जनवरी, 1999)।

प्रश्न 8. कौन्सिल ऑफ द यूरोपीयन यूनियन के क्या कार्य हैं ?

उत्तर—कौन्सिल ऑफ द यूरोपीयन यूनियन सदस्य राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की समिति है, जिसका मुख्य कार्य सदस्य राष्ट्रों के हित में कार्य योजना बनाना है।

Scanned with CamScanner

सहयोग से स्थानीय स्तर पर उनका समाधान ढूँढने का प्रयास किया जाए।

प्रश्न 13. भौगोलिक निकटता का क्षेत्रीय संगठनों के गठन पर क्या असर होता है ? (NCERT)

उत्तर—भौगोलिक निकटता के कारण क्षेत्र विशेष में आने वाले देशों में संगठन की भावना विकसित होती है। इस भावना के विकास के साथ पारस्परिक संघर्ष और युद्ध का स्थान, पारस्परिक सहयोग और शान्ति ले लेती है। भौगोलिक एकता मेल-मिलाप के साथ-साथ आर्थिक सहयोग और अंतर्देशीय व्यापार को भी बढ़ावा देती है। सदस्य राष्ट्र को बड़ी आसानी से सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था कर कम धन व्यय करके अपने लिए सैनिक सुरक्षा दल गठित कर सकते हैं और बचे हुए धन को कृषि, उद्योग, विद्युत, यातायात, शिक्षा, सड़क, संवादवहन, स्वास्थ्य आदि सुविधाओं को जुटाने और जीवन स्तर को ऊँचा उठाने में प्रयोग कर सकते हैं। यह वातावरण सामान्य सरकार के गठन के लिए अनुकूल वातावरण उत्पन्न कर सकता है। एक क्षेत्र के विभिन्न राष्ट्र यदि क्षेत्रीय संगठन बना लें तो वे परस्पर मार्गों और रेल सेवाओं से बड़ी आसानी से जुड़ सकते हैं।

प्रश्न 14. 'आसियान विजन 2020' की मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं ? (NCERT)

उत्तर—आसियान तेजी से बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है। इसके विजन दस्तावेज 2020 में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान की एक बहिर्मुखी भूमिका को प्रमुखता दी गयी है।

आसियान विजन-2020 की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं— (1) आसियान विजन 2020 में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान की एक बहिर्मुखी भूमिका को प्रमुखता दी गयी है। (2) आसियान द्वारा टकराव की जगह बातचीत द्वारा समस्याओं के हल निकालने को महत्व देना। इस नीति से आसियान ने कम्बोडिया के टकराव एवं पूर्वी तिमोर के संकट को सम्भाला है। (3) आसियान की असली ताकत अपने सदस्य देशों, सहभागी सदस्यों और बाकी गैर-क्षेत्रीय संगठनों के बीच निरन्तर संवाद और परामर्श करने की नीति में है।

प्रश्न 15. यूरोपीय संघ को क्या चीजें एक प्रभावी क्षेत्रीय संगठन बनाती हैं ? (NCERT)

उत्तर—यूरोपीय संघ यूरोपीय देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है। यूरोपीय संघ की स्थापना 1992 में हुई थी। यूरोपीय संघ का अपना झंडा, गान तथा स्थापना दिवस है। यूरोपीय देशों की अपनी मुद्रा है, जिसे 'यूरो' कहते हैं, यूरोपीय संघ में निरंतर नए सदस्यों का समावेश होता रहता है, जिससे हम पता लगा सकते हैं कि यूरोपीय संघ कितना प्रभावशाली है। इसके पास परमाणु हथियार हैं। यूरोपीय संघ के पास दुनिया की सबसे बड़ी सेना है। ये सभी चीजें यूरोपीय संघ को एक प्रभावी क्षेत्रीय संगठन बनाती हैं।

प्रश्न 16. मुल्कों की शान्ति और समृद्धि क्षेत्रीय आर्थिक संगठनों को बनाने और मजबूत करने पर टिकी है। इस कथन की पुष्टि कीजिए। (NCERT)

उत्तर—लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व में शान्ति एवं व्यवस्था का होना आवश्यक है। इसके साथ-साथ प्रत्येक देश का आर्थिक विकास होना भी आवश्यक है। इन दोनों शर्तों को क्षेत्रीय आर्थिक संगठन बनाकर पूरा किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है, कि विश्व-शान्ति एवं समृद्धि के लिए क्षेत्रीय आर्थिक संगठन आवश्यक है। अत: अधिकांश महाद्वीपों में क्षेत्रीय आर्थिक संगठन बने हुए हैं, जैसे यूरोप में यूरोपीय संघ, एशिया में आसियान तथा सार्क। ये संगठन सम्बन्धित देशों के आर्थिक विकास को अधिक बढ़ावा देने तथा इन्हें युद्ध से दूर रखते हैं, ताकि क्षेत्र एवं विश्व में शान्ति बनी रहे।

Scanned with CamScanner

अध्याय 12

नियोजित विकास की राजनीति

[POLITICS OF PLANNED DEVELOPMENT]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. योजना आयोग की स्थापना कब की गयी—

(a) 1955 (b) 1952 (c) 1950 (d) 1960.

2. प्रथम पंचवर्षीय योजना में किस पर बल दिया गया—

(a) कृषि (b) उद्योग (c) गरीबी (d) आत्मनिर्भरता।

3. योजना आयोग के स्थान पर किसकी स्थापना की गयी है—

(a) राष्ट्रीय विकास परिषद् (b) नीति आयोग

(c) पिछड़ा वर्ग आयोग (d) किसी की नहीं।

4. नीति आयोग की स्थापना कब की गयी—

(a) 2014 में (b) 2015 में (c) 2016 में (d) 2017 में।

5. नीति आयोग के अध्यक्ष कौन हैं—

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति (c) वित्तमंत्री (d) कानूनमंत्री।

6. प्रथम पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे—

(a) के. एन. राज (b) पी.सी. महालनोबिस (c) पं. नेहरू (d) सरदार पटेल।

7. "बाम्बे प्लान" के बारे में निम्नलिखित में कौन-सा बयान सही नहीं है— (NCERT)

(a) यह भारत के आर्थिक भविष्य का ब्लू-प्रिंट था

(b) इसमें उद्योगों के ऊपर राज्य के स्वामित्व का समर्थन किया गया था

(c) इसकी रचना कुछ अग्रणी उद्योगपतियों ने की थी

(d) इसमें नियोजन के विचार का पुरजोर समर्थन किया गया था।

8. भारत ने शुरुआती दौर में विकास की जो नीति अपनाई उसमें निम्नलिखित में से कौन-सा विचार शामिल नहीं था— (NCERT)

(a) नियोजन (b) उदारीकरण (c) सहकारी खेती (d) आत्मनिर्भरता।

9. भारत में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का विचार ग्रहण किया गया था— (NCERT)

(क) बाम्बे प्लान से (ख) सोवियत खेमे के देशों के अनुभवों से

(ग) समाज के बारे में गाँधीवादी विचार से (घ) किसान संगठनों की माँगों से।

(a) सिर्फ (ख) और (घ) (b) सिर्फ (क) और (ख)

(c) सिर्फ (घ) और (ग) (d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर— 1. (c), 2. (a), 3. (b), 4. (b), 5. (a), 6. (a), 7. (b), 8. (b), 9. (d).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. आजादी के समय उदारवादी पूँजीवादी मॉडल और समाजवादी मॉडल ..... के मॉडल थे।
2. निजी निवेशक ..... अर्थव्यवस्था का समर्थन करते हैं।
3. बाम्बे प्लान का प्रस्ताव ..... के समूह ने प्रस्तुत किया था।
4. मिल्क मैन ऑफ इण्डिया .....को कहते हैं।
5. HYV उच्च गुणवत्ता वाले ..... की किस्म है।
6. हरित क्रांति से मुख्य रूप से ..... की फसल के उत्पादन में वृद्धि हुई।

Scanned with CamScanner

अर्थव्यवस्था
क्षेत्र में रखने का फैसला किया गया।

प्रश्न 9. द्वितीय पंचवर्षीय योजना में किस बात पर जोर दिया गया ?

उत्तर—द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों पर जोर दिया गया।

प्रश्न 10. केरल मॉडल क्या है ?

उत्तर—केरल राज्य के विकास और नियोजन के लिए जो रास्ता चुना गया उसे केरल मॉडल कहा जाता है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि सुधार, खाद्य-वितरण और गरीबी-उन्मूलन पर जोर दिया जाता रहा है।

प्रश्न 11. नीति आयोग क्या है ?

उत्तर—नीति आयोग अर्थात् राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है। जनवरी 2015 को इस नए संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया। यह संस्थान सरकार के थिंक टैंक के रूप में सेवाएँ प्रदान करेगा और उसे निर्देशात्मक एवं नीति गतिशीलता प्रदान करेगा।

प्रश्न 12. हरित क्रांति के राजनीतिक परिणाम क्या हैं ?

उत्तर—हरित क्रांति के राजनीतिक परिणाम निम्नलिखित हैं—

(1) हरित क्रांति से सन् 1978-79 में खाद्यान्न उत्पादन एक अरब इकतीस करोड़ टन हुआ। भारत एक खाद्यान्न संकट वाले देशों की श्रेणी से निकलकर खाद्य निर्यातक की श्रेणी में आ गया। इससे दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा बढ़ गई।

(2) हरित क्रांति से प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की स्थिति मजबूत हुई।

(3) भारत की हरित क्रांति से प्रभावित होकर कनाडा ने पंजाब, हरियाणा के किसानों को कनाडा बुलाया। किसानों ने भारतीय मुद्रा भंडार को और बढ़ाया।

प्रश्न 13. आजादी के समय विकास के सवाल पर प्रमुख मतभेद क्या थे ? क्या इन मतभेदों को सुलझा लिया गया ? **(NCERT)**

उत्तर—आजादी के समय भारत में 'विकास' की बात आते ही पश्चिमी देशों का उदाहरण दिया जाता था। विकास का अर्थ आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक सामाजिक न्याय प्राप्त होना था। देश के विकास के संबंध में प्रमुख मतभेद निम्नलिखित थे—

(1) विकास के दो मॉडल थे उदारवादी-पूँजीवादी तथा समाजवादी। भारत के सामने दोनों में से किसी एक को अपनाने पर मतभेद था।

Scanned with CamScanner

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारत में नियोजन की आवश्यकता के कारण लिखिए।

उत्तर—स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था अर्ध विकसित व पिछड़ी हुई थी। अत: इसके तीव्र विकास के लिए एक निश्चित व्यूह रचना किया जाना परमावश्यक हो गया। निम्नलिखित परिस्थितियों के कारण भारत में नियोजन की आवश्यकता पर जोर दिया गया—

(1) संविधान में वर्णित नीति निदेशकों के क्रियान्वयन हेतु, (2) निर्धनता एवं बेरोजगारी दूर करने हेतु, (3) उपलब्ध साधनों का सही उपयोग से आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु, (4) आधारभूत संरचना के निर्माण हेतु, (5) समाजवादी समाज की स्थापना का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु, (6) वर्तमान और भविष्य के मध्य उचित संतुलन बनाये रखने हेतु, (7) सार्वजनिक हित को प्राथमिकता।

प्रश्न 2. नियोजन के उद्देश्य लिखिए।

उत्तर— नियोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(1) आर्थिक उद्देश्य से उत्पादन में वृद्धि, रोजगार के अवसर, संतुलित विकास, आर्थिक समानता और आत्मनिर्भरता प्राप्त करना। (2) सामाजिक उद्देश्य से सुरक्षा के अन्तर्गत स्वास्थ्य, बेरोजगारी, बीमा, वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था, सामाजिक न्याय और आर्थिक सुरक्षा व शांति प्राप्त करना। (3) राजनीतिक उद्देश्यों द्वारा राजनीतिक स्वतंत्रता, रूढ़िगत रीति-रिवाजों को बदलने व शांति स्थापना करना।

प्रश्न 3. आर्थिक नियोजन के लाभ को लिखिए।

उत्तर—आर्थिक नियोजन के निम्नलिखित लाभ हैं—

1. प्राप्त साधनों का अनुकूलतम उपयोग—आर्थिक नियोजन ऐसी व्यवस्था है जो देश में उपलब्ध प्राकृतिक व मानव साधनों के अनुकूल एवं अधिकतम उपयोग से आर्थिक विकास योजनाएँ तैयार करती हैं। इसमें सीमित साधनों का सार्वजनिक हित हेतु अनुकूलतम उपयोग होता है और विकास की स्थिर गति बनी रहती है।

2. केन्द्रीय नियोजन सत्ता का प्रभुत्व—देश का संतुलित आर्थिक विकास तभी संभव है जब इसका संचालन व नियंत्रण एक केन्द्रीय नियोजन अधिकारी या संस्था के हाथ में हो। इससे देश की प्राथमिकताओं के निर्धारण और उनकी पूर्ति के लिए समयबद्ध योजनाओं का चयन करने एवं उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया व संचालन में सुविधा होती है। भारत में **योजना आयोग** की स्थापना इसी उद्देश्य से की गयी है।

3. निश्चित एवं दीर्घकालीन प्रक्रिया—आर्थिक नियोजन एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है। इसमें योजनाओं और उससे संबंधित आर्थिक क्रियाओं में समन्वय स्थापित करने के लिए नियोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे समय सीमा में निर्धारित लक्ष्यों और प्राथमिकताओं को पूरा करने का प्रयास किया जाता है।

Scanned with CamScanner

अध्याय 15

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

[CRISIS OF THE DEMOCRATIC ORDER]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. नौकरशाही का क्या अर्थ है—
   (a) प्रशासन स्थायी सेवकों के द्वारा होता है (b) प्रशासन संसद के द्वारा होता है
   (c) प्रशासन मंत्री के द्वारा होता है (d) प्रशासन प्रधानमंत्री के द्वारा होता है।
2. प्रतिबद्ध नौकरशाही में—
   (a) लोकसेवक सत्ताधारी दल की विचारधारा के अनुसार काम करते हैं
   (b) लोकसेवक अपनी इच्छानुसार काम करते हैं
   (c) लोकसेवक जनता की इच्छानुसार काम करते हैं
   (d) लोकसेवक न्यायपालिका के अनुसार काम करते हैं।
3. भारत में प्रतिबद्ध नौकरशाही का समर्थन किसने किया था—
   (a) राजीव गाँधी (b) महात्मा गाँधी (c) पं. नेहरू (d) इंदिरा गाँधी।
4. साम्यवादी व्यवस्था वाले देशों में न्यायपालिका—
   (a) स्वतंत्र होती है (b) स्वतंत्र नहीं होती है (c) नहीं होती है (d) इनमें से कोई नहीं।
5. नव निर्माण आंदोलन किसके नेतृत्व में हुआ—
   (a) महात्मा गाँधी (b) राममनोहर लोहिया (c) जयप्रकाश नारायण (d) इंदिरा गाँधी।
6. किस राज्य में छात्रों ने इंदिरा सरकार के विरुद्ध उग्र आंदोलन किया—
   (a) बिहार व गुजरात (b) बंगाल व उड़ीसा (c) म.प्र. व छत्तीसगढ़ (d) महाराष्ट्र व पंजाब।
7. संपूर्ण क्रांति का आह्वान किसने किया—
   (a) इंदिरा गाँधी (b) पं. नेहरू (c) सरोजनी नायडू (d) जयप्रकाश नारायण।
8. निम्नलिखित में से कौन-सा आपातकाल की घोषणा के संदर्भ से मेल नहीं खाता है— (NCERT)
   (a) 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान (b) 1974 की रेल-हड़ताल
   (c) नक्सलवादी आंदोलन (d) इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला
   (e) शाह आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्ष।

उत्तर— 1. (a), 2. (a), 3. (d), 4. (b), 5. (c), 6. (a), 7. (d), 8. (c).

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. 1971 के बाद ..... कांग्रेस की सर्वोच्च नेता थी।
2. प्रजातंत्र में ..... प्रतिनिधियों का निर्वाचन करती है।
3. अधिकारियों के द्वारा योजनाओं का ..... किया जाता है।
4. लोकतांत्रिक देशों में कार्यपालिका व व्यवस्थापिका के मध्य ..... संबंध पाया जाता है।
5. ..... प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि मौलिक अधिकारों में कटौती नहीं की जा सकती है।
6. केशवानंद भारती प्रकरण में संविधान के ..... को परिभाषित किया गया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 10. किन कारणों से 1980 में मध्यावधि चुनाव करवाने पड़े ? (NCERT)

उत्तर—क्योंकि जनता पार्टी मूलत: इंदिरा गाँधी के मनमाने शासन के विरुद्ध विभिन्न पार्टियों का गठबंधन था इसलिए शीघ्र ही जनता पार्टी बिखर गई और मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली सरकार ने 18 माह में ही अपना बहुमत खो दिया। कांग्रेस पार्टी के समर्थन पर दूसरी सरकार चरण सिंह के नेतृत्व में बनी लेकिन बाद में कांग्रेस पार्टी ने समर्थन वापस लेने का फैसला किया। इस वजह से चरण सिंह की सरकार मात्र चार महीने तक सत्ता में रही। इस प्रकार 1980 में लोकसभा के लिए नए सिरे से चुनाव करवाने पड़े।

प्रश्न 11. 1975 में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करते हुए सरकार ने इसके क्या कारण बताए थे ? (NCERT)

उत्तर—(1) सरकार के मतानुसार चुनी गई सरकार को लोकतंत्र में विपक्षी दल उसकी नीतियों के अनुसार शासन नहीं चलाने दे रहे। वे बार-बार धरना-प्रदर्शन, सामूहिक कार्यवाही, राष्ट्रव्यापी आंदोलन की धमकियाँ देकर अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं जिसके कारण प्रशासन विकास के कार्यों पर पूरा ध्यान नहीं दे सकता। (2) सारी ताकत कानून-व्यवस्था की बहाली पर लगानी पड़ती है। इंदिरा गाँधी ने शाह आयोग को एक चिट्ठी में लिखा कि षड्यंत्रकारी ताकतें सरकार के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अड़ंगे डाल रही थीं और उन्हें गैर-संवैधानिक साधनों के बूते सत्ता से बेदखल करना चाहती थीं।

प्रश्न 12. जनता पार्टी ने 1977 में शाह आयोग को नियुक्त किया था। इस आयोग की नियुक्ति क्यों की गई थी और इसके क्या निष्कर्ष थे ? (NCERT)

उत्तर— (1) शाह आयोग का गठन "25 जून, 1975 के दिन घोषित आपातकाल के दौरान की गई कार्रवाई तथा सत्ता के दुरुपयोग, अतिचार और कदाचार के विभिन्न आरोपों के विविध पहलुओं" की जाँच के लिए किया गया था। आयोग ने विभिन्न प्रकार के साक्ष्यों की जाँच की और हजारों गवाहों के बयान दर्ज किए। गवाहों में इंदिरा गाँधी भी शामिल थीं। वे आयोग के सामने उपस्थित हुईं, लेकिन उन्होंने आयोग के सवालों के जवाब देने से इन्कार कर दिया। (2) शाह आयोग ने अपनी जाँच के दौरान पाया कि इस अवधि में बहुत सारी 'अति' हुई। भारत सरकार ने आयोग द्वारा प्रस्तुत दो अंतरिम रिपोर्टों और तीसरी तथा अंतिम रिपोर्ट की सिफारिशों, पर्यवेक्षणों और निष्कर्षों को स्वीकार किया। यह रिपोर्ट संसद के दोनों सदनों में भी विचार के लिए रखी गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 1975 में क्या आपातकाल जरूरी था ? इसके पक्ष व विपक्ष में तर्क प्रस्तुत करें।

उत्तर—क्या 'आपातकाल' जरूरी था इसके पक्ष व विपक्ष में तर्क निम्नलिखित हैं—

पक्ष में तर्क : आपातकाल की घोषणा के कारण का उल्लेख करते हुए संविधान में बड़े सादे ढंग से 'अंदरूनी गड़बड़ी' जैसे शब्द का व्यवहार किया गया है। 1975 से पहले कभी भी 'अंदरूनी गड़बड़ी' को आधार

Scanned with CamScanner

बनाकर आपातकाल की घोषणा नहीं की गई थी। हम पढ़ चुके हैं कि देश के कई हिस्सों में विरोध-आंदोलन चल रहे थे। क्या इसे आपातकाल लागू करने का पर्याप्त कारण माना जा सकता है ? सरकार का तर्क था कि भारत में लोकतंत्र है और इसके अनुकूल विपक्षी दलों को चाहिए कि वे निर्वाचित शासक दल को अपनी नीतियों के अनुसार शासन चलाने दें। सरकार का मानना था कि बार-बार का धरना-प्रदर्शन और सामूहिक कार्रवाई लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। इन्दिरा गाँधी के समर्थक यह भी मानते थे कि लोकतंत्र में सरकार पर निशाना साधने के लिए लगातार गैर-संसदीय राजनीति का सहारा नहीं लिया जा सकता। इससे अस्थिरता पैदा होती है और प्रशासन का ध्यान विकास के कामों से भंग हो जाता है। सारी ताकत कानून-व्यवस्था की बहाली पर लगानी पड़ती है। इन्दिरा गाँधी ने शाह आयोग को चिट्ठी में लिखा कि विनाशकारी ताकतें सरकार के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अड़ंगे डाल रही थीं और मुझे गैर-संवैधानिक साधनों के बूते सत्ता से बेदखल करना चाहती थीं।

आपातकाल के विपक्ष में तर्क—दूसरी तरफ़, आपातकाल के आलोचकों का तर्क था कि आज़ादी के आंदोलन से लेकर लगातार भारत में जन आंदोलन का एक सिलसिला रहा है। जेपी सहित विपक्ष के अन्य नेताओं का खयाल था कि लोकतंत्र में लोगों को सार्वजनिक तौर पर सरकार के विरोध का अधिकार होना चाहिए। बिहार और गुजरात में चले विरोध-आंदोलन ज़्यादातर समय अहिंसक और शांतिपूर्ण रहे। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया था, उन पर कभी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों मे लिप्त रहने का मुकदमा नहीं चला। अधिकतर बंदियों के खिलाफ़ कोई मुकदमा दर्ज़ नहीं हुआ था। देश के अंदरूनी मामलों की देख-रेख का जिम्मा गृह मंत्रालय का होता है। गृह मंत्रालय ने भी कानून व्यवस्था की बाबत कोई चिंता नहीं जतायी थी। अगर कुछ आंदोलन अपनी हद से बाहर जा रहे थे, तो सरकार के पास अपनी रोज़मर्रा की अमल में आने वाली इतनी शक्तियाँ थीं कि वह ऐसे आंदोलनों को हद में ला सकती थी। लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को ठप्प करके 'आपातकाल' लागू करने जैसे अतिचारी कदम उठाने की ज़रूरत कतई न थी। दरअसल खतरा देश की एकता और अखंडता को नहीं, बल्कि शासक दल और स्वयं प्रधानमंत्री को था। आलोचक कहते हैं कि देश को बचाने के लिए बनाए गए संवैधानिक प्रावधान का दुरुपयोग इन्दिरा गाँधी ने निजी ताकत को बचाने के लिए किया।

प्रश्न 2. 1977 के चुनावों के बाद पहली बार केन्द्र में विपक्षी दल की सरकार बनी। ऐसा किन कारणों से संभव हुआ ? **(NCERT)**

उत्तर—1977 के चुनावों के पश्चात् पहली बार विपक्षी दल की सरकार बनने के कारण निम्नलिखित थे—

(1) आपातकाल के कारण विपक्षी पार्टियाँ एकजुट हो गईं और उन्होंने "जनता पार्टी" नाम से एक नया दल बनाया। (2) जनता पार्टी का नेतृत्व जय प्रकाश नारायण को दिया गया। जय प्रकाश नारायण उस समय एक लोकप्रिय नेता थे। (3) कांग्रेस के कुछ नेता, जो आपातकाल के विरुद्ध थे, जनता पार्टी में सम्मिलित हो गए। (4) जगजीवन राम ने कांग्रेस से निकलकर "कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी" नामक दल का निर्माण किया। बाद में यह पार्टी भी जनता पार्टी में शामिल हो गई। (5) जनता पार्टी ने आपातकाल को मुद्दा बनाकर चुनावों को उस पर जनमत संग्रह का रूप दिया और आपातकाल की ज्यादतियों पर बल दिया।

ऐसी परिस्थितियों में जनता पार्टी के निर्माण से गैर-कांग्रेसी वोट एक ही पार्टी को पड़े। यह वोट पहले चुनावों में बँट जाते थे। जनता भी आपातकाल की ज्यादतियों से तंग थी। परिणामस्वरूप कांग्रेस की हार और जनता पार्टी की विजय हुई और उसकी सरकार बनी।

प्रश्न 3. भारत की दलीय प्रणाली पर आपातकाल का किस तरह असर हुआ ? अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों से करें। **(NCERT)**

उत्तर—(1) सत्ताधारी पार्टी को बहुमत मिलने की वजह से, नेतृत्व ने लोकतांत्रिक क्रियान्वयन को भी चुनौती देने की हिम्मत की। (2) कानून व लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने की वजह से, संविधान-निर्माताओं ने सरकार को आपातकाल के दौरान अधिक शक्तियाँ प्रदान की थीं। (3) संस्था पर आधारित लोकतंत्र और लोगों के सहयोग पर आधारित लोकतंत्र के बीच तनाव व मतभेद खड़े होने शुरू हो गए थे। (4) यह सब उस दलीय व्यवस्था की अक्षमता के कारण था, जो लोगों की आशाओं पर खरी नहीं उतर पा रही थी। (5) पहली बार विपक्षी पार्टियाँ, नई पार्टी 'जनता पार्टी' के नाम से गैरकांग्रेस वोटों को भी न बाँटने के उद्देश्य से साथ आईं। (6) 1977 चुनावों ने एक दल की सम्प्रभुता समाप्त की और गठबंधन सरकार को जन्म दिया।

Scanned with CamScanner